केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	ांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			शब्दों में		कुल प्राप्तांक
16					

परीक्षक ... जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि अन्... पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ ... की प्रविष्टी एवं अंकों ... है।

निर्धारित मुद्राः नाम, ... परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उ... एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
...man U.M.T. 9425854028 Reg. No.-013758 Govt.H.S.S. Newasapondi	DEELAN SINGH DHURVE (U.M.T.)Reg.No.013741 Mob.-9406839945 Govt.Model H.S.S. Samnapur

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 1

i) उ॰ सत्य

ii) उ॰ सत्य

iii) उ॰ असत्य

iv) उ॰ सत्य

v) उ॰ असत्य

vi) उ॰ असत्य

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 2

अ		ब
i) जिठौत	-	जेठ का पुत्र
ii) बिम्ब	-	शब्द चित्र
iii) जूझ	-	केशव प्रथम वीर
iv) अतीत में दबे पाँव	-	यात्रा वृतांत
v) फ्रीलांसर पत्रकार	-	अलग-अलग अखबारों में लेखन
vi) समाचार लेखन की शैली	-	उल्टा पिरामिड
vii) कॉलेज ऑफ प्रीस्ट्स	-	धार्मिक अनुष्ठान का स्थान

प्रश्न - 3

i) उ०) समाचार लेखन के 6 ककार निम्नलिखित है :-
क्या, कौन, कब, क्यो, किसे, कैसे ।

ii) उ०) गद्य की 4 प्रमुख विधाएँ नाटक, एकांकी, उपन्यास एवं कहानी ।

योग पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

iii)
उ०) दूसरे तारसप्तक

iv)
उ०) 2 : 4 : 1

BSF

उ०) शब्द शक्ति :- किसी भी काव्य या वाक्य में उसके अर्थ का बोध कराने वाली शक्ति शब्दशक्ति कहलाती है।

vi)
उ०) जितना खर्च उतनी आमदनी वापिस मिलना।

vii)
उ०) चन्द्रकला सवैया

⑥ योग

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 4

i) निशा - निमंत्रण

ii) कैमरे में बंद अपाहिज

iii) आठ

iv) भी

v) नीले शंख जैसे,

vi) संस्मरण

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 5

i) उ०) अवधि

ii) उ०) अखबार को

iii) उ०) पतंग

iv) उ०) स्मृति की रेखाएँ

v) उ०) उद्दीपन

vi) उ०) आनन्द रतन यादव

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 6

i) महादेवी वर्मा विदुषी महिला थी।

ii) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

B S E

प्रश्न - 7 - उ)

जनसंचार के एक प्रमुख इंटरनेट द्वारा, खबरों एवं समाचारो का प्रसारण इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है। यह एक बहुत कारगार माध्यम है जिससे खबरो की पुष्टि हो सकती है।

प्रश्न 8 उ)

शब्दभाषा	राजभाषा
i) शब्दभाषा के क्षेत्र विस्तृत होता है।	राजभाषा का क्षेत्र सीमित होता है।
ii) शब्दभाषा देश की प्रमुख एवं स्वतंत्र भाषा होती है।	राजभाषा सरकारी कामकाज की भाषा होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 9 3० (अथवा)

उषा कविता में गाँव की शोभा चूल्हे एवं काली सिल की उपमा देते हुए प्रातःकालीन दृश्य के बारे में बताया है। कवि कहते है कि सूर्योदय से पूर्व बादल ऐसा प्रतीत हो रहा जैसे मानो चूल्हे को राख से लीप दिया हो, क्योंकि बादलो का रंग मटमैला है। यह दर्शाता है कि कवि गाँव के सुंदर चित्रो का बिम्ब में प्रयोग करता है।

प्रश्न 10 3०) (अथवा)

छायावाद के प्रमुख कवि	उनकी रचनाएँ
जयशंकर प्रसाद	कामायनी
महादेवी वर्मा	दीपशिखा
सुमित्रानंदन पंत	गुंजन
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	अणिमा

प्रश्न 11 3०)

सेवक धर्म में भक्तिन की तुलना हनुमान जी से की है क्योंकि भक्तिन एक ईमानदार एवं कर्मठ महिला है जो

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न

अपनी स्वामी की छाया बनकर रहना चाहती है एवं वह महादेवी वर्मा की सेवा पूरे भाव से करती है।

प्रश्न - 12 उ0)

नाटक	एकांकी
एक बड़ा होता है।	एकांकी छोटी होती है।
नाटक में अनेक अंक होते है।	एकांकी में एक अंक होता है एवं एक ~~एक~~ अंक का वर्णन होता है

प्रश्न - 13 उ0)

यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित है।

i) यशोधर बाबू एक कर्मशील व्यक्ति थे, जो हर कार्य में पूर्णता चाहते थे।

ii) वह आधुनिकता के खिलाफ थे एवं संस्कृति के समर्थक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 14 उ०) (अथवा)

विरोधाभास अलंकार - "जब किसी काव्य की पंक्तियों में वास्तविक विरोध न होते हुए भी हमें विरोध का आभास हो वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।"

उदा. - मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ, शीतलवाणी में आग लिए फिरता हूँ।

प्रश्न - 15 उ०)

स्थायी भाव	संचारी भाव
1) स्थायी भाव वह भाव होते है जो मनुष्य के हृदय में स्थायी रूप से रहते है	संचारी भाव वह होते है जो कुछ समय के लिए हमारे हृदय में आते है, फिर गायब हो जाते है।
इनकी संख्या 10 होती है	इनकी संख्या 33 होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न -16 अ)

पिताजी एवं पुत्र के मध्य संवाद,

पिताजी :- अरे! बेटा रोहन मुझे पता चला है, कि अगले माह तुम्हारे विद्यालय में मध्य वार्षिक परीक्षा प्रारंभ होने वाली है।

पुत्र :- हाँ पिताजी आपको एकदम सही खबर मिली है। ~~बैस~~ परंतु आपको किसने बताया ?

पिताजी :- मुझे यह बात तुम्हारे हिंदी अध्यापक द्वारा पता चली।

पुत्र :- अच्छा।

पिताजी :- तो फिर मध्य वार्षिक परीसा के लिए तुम्हारी तैयारी कैसी चल रही है।

पुत्र :- परीक्षा के लिए तैयारी बढ़ियाँ चल रही है, लेकिन

13

प्रश्न क्र.

पिताजी :- लेकिन क्या? बताओ।

पुत्र :- गणित विषय में मुझे परेशानी हो रही है।

पिताजी :- अच्छा और बाकी सभी विषय पूर्ण हो गए?

पुत्र :- जी सभी विषय पूर्ण हो गए हैं।

पिताजी :- तो फिर अब तुम्हे गणित की तैयारी अभी से शुरु कर देनी चाहिए।

पुत्र :- हाँ वह तो करनी पड़ेगी।

पिताजी :- चिंता की बात नही है, मन लगाकर लगाकर पढ़ाई करो सब बढ़िया होगा।

पुत्र :- जी बिलकुल, अब मैं पढ़ाई करता हूँ।

पिताजी :- हाँ ठीक है मुझे भी बाजार जाना है, शाम तक आता हूँ, ठीक है।

कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 17 - 30)

i) 30) "मनुष्य जीवन - विधाता का एक वरदान"

ii) 30) विधाता की अनुपम रचना मनुष्य एवं उसका शरीर को कहा गया है।

iii) 30) मनुष्य द्वारा घटिया कार्य करना प्रमाद तथा आलस्य करना ही विधाता के प्रति अन्याय है।

प्रश्न - 18 - 30) (अथवा)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

दो रचनाएँ - अनामिका, अणिमा

भाव पक्ष :- निराला जी की रचनाओं में हमें प्रकृति चित्रण के अनेक रूप दिखाई देते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

निराला जी का प्रकृति चित्रण अत्यंत मधुर एवं सजीव है। आपकी रचनाओं में हमें छायावादी विचारधारा के साथ-साथ प्रगतिवादी विचारधारा के भी दर्शन होते है। निराला जी को मुक्तक काव्य का जनक माना जाता है।

कला पक्ष :- निराला जी रचनाओं में हमे हिंदी के अलावा उर्दू संस्कृत एवं बांगला के शब्दों का प्रयोग भी देखने मिलता है। आपकी भाषा विषयों के अ विषय के अनुरूप है। आपकी रचनाओं में, सरल, सहज एवं सरस बोली का प्रयोग हुआ है।

साहित्य में स्थान :- 'निराला' जी आधुनिक कवियों के सर्वोत्तम कवियों में से एक है। आपकी रचनाएं भावपूर्ण है। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के मूर्धन्य कवि है। हिंदी साहित्य को दिए विशेष योगदान के लिए आपका नाम सम्मानपूर्वक लिया जाता है। आपके द्वारा साहित्य को दिए विशिष्ट योगदान के लिए आपको हमेशा स्मरण किया जाएगा।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

~~प्रश्न 19~~

प्रश्न - 19 उ.) (अथवा)

धर्मवीर भारती

दो रचनाएँ - ठंडा लोहा, गुनाहों का देवता

भाषा शैली :- धर्मवीर भारती जी की रचनाओ में हमे सरलता, सहजता, सजीवता तथा आत्मीयता दिखाई देती है। आपकी रचनाओ मे आम - बोलचाल की खड़ी बोली का प्रयोग हुआ। जिनमें हिंदी, उर्दू तथा अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग देखने मिलता को है। मुहावरो का भी सटीक प्रयोग है। आपने अनेक प्रकार की शैलियों का प्रयोग किया है जैसे - भावात्मक शैली, चित्रात्मक शैली, विचारात्मक शैली, मनोविज्ञानिक शैली आदि।

साहित्य में स्थान :- धर्मवीर भारती जी एक कहानीकार एकांकीकार एवं उपन्यासकार भी है। आपकी रचना गुनाहो का देवता एक सदाबहार रचना है जो हिंदी की सबसे अधिक बिकने वाली 5 किताबों मे एक है।

17

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

आपकी रचना सूरज का सातवां घोड़ा पर एक फिल्म भी बनाई जा चुकी है। आपके योगदान के लिए हिंदी साहित्य आपका आभारी रहेगा।

P.T.O.

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 20 - 30).
औपचारिक पत्र

सेवा में,
श्रीमान सचिव महोदय
म. शि. मंडल, भोपाल
(म.प्र.)
दिनाँक :- 25 जनवरी 20xx
विषय :- हाईस्कूल परीक्षा की अंकसूची की द्वितीय प्रति हेतु।
महोदय जी,
विदित हो कि मैं गत वर्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल म.प्र. का छात्र रहा हूँ। मैंने हाईस्कूल की परीक्षा 95% से पास की थी। जिसकी अंकसूचि रेल में सफर करते वक्त दुर्भाग्य से खो गयी है। जिसकी अब मुझे अत्यंत अवश्यकता है। मैंने सरकारी नौकरी का फॉर्म भरा है जिसमे यह जरुरी है।
अतः महोदयजी से निवेदन है कि आप मुझे अँकसूचि की द्वितीय प्रति प्रदान करने की कृपा करे, इसके लिए जो दंड राशि है वह मैंने जमा कर दी है। छात्र की जानकारी निम्नानुसार है—
अनुक्रमांक - xxxxxxx, नाम - क, ख, ग, पता - नर्मदा कालोनी (भोपाल)
पिता का नाम - अ.ब.स. । सादर व धन्यवाद सहित . . . . .
प्रार्थी
क ख ग

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 21 -

निबंध

वर्तमान युग एवं इन्टरनेट

रूपरेखा

प्रस्तावना

इन्टरनेट की महत्वता

इन्टरनेट के लाभ

इन्टरनेट से हानि

उपसंहार

प्रस्तावना :- इन्टरनेट आज के युग का सबसे अधिक उपयोग होने वाला साधन है। यह बहुत कारगर होता है। यह सबको जोड़कर रखता है। इंटरनेट द्वारा आज मोबाइल, कंप्यूटर इत्यादि सब चलते हैं। इंटरनेट पढ़ाई में भी उपयोगी है।

इंटरनेट की महत्वता :- आज के समय में इसके बिना कई काम असंभव है। यदि इंटरनेट न हो तो पढ़ाई, संचार सब रुक जाएगा।

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

इंटरनेट विश्व भर के कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर रखता है। इससे सभी तरह के संदेश भेजे जा सकते है।

इंटरनेट से लाभ :- इसके लाभ तो अनेक है, आज हम हर सवाल का जवाब इससे पा सकते है। पढ़ाई, लिखाई, दूर संचार सब इससे संभव है। हर एक कार्य में सुलभता होती है एवं समय बचता है।

~~उपसंहार~~ :-

इंटरनेट से हानि :- आधुनिक युग में अश्लीलता इंटरनेट से ही फैल रही है। अपराध बढ़ रहे है। आनलाइन चोरिया हो रही है।

उपसंहार :- यदि हमें इंटरनेट का इस्तेमाल करना सही से आता है तो हर कार्य संभव है और यदि नही आता तो यह खतरनाक भी है। इसलिए इसका उपयोग

B S E

21 | | + | पृष्ठ 21 के अंक | = | कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

हमें जरूरत के हिसाब से करना चाहिए।

प्रश्न - 22 39)

संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह में संकलित कवितावली से ली गई है। इसके कवि तुलसीदास जी है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने संसार उन्हे क्या कहता है एवं उन्हे उससे फर्क क्यो नही पड़ता यह बताया है। इसके साथ-साथ वह राम भक्ति का भी वर्णन करते है।

व्याख्या :- कवि कहते है कि चाहे कोई मुझे धूत कहे या अवधूत। अर्थात कोई उन्हे सन्यासी कहे या जुलाहा कहे, कोई उन्हे राजपूत कहे। कवि को कोई फर्क नही पड़ता कौन उनके बारे में क्या कहता है, क्योंकि उन्हे किसी की बेटी से विवाह नही करना और न ही किसी की जाति बिगाड़नी है।

/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16
मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

वह तो केवल राम के दास है एवं उन्ही की भक्ति करते है। तुलसीदास जी ने इसके बाद यह भी कहा है कि वह तो मस्जिद में सोते है और उन्हे किसी से लेना देना नहि है।

विशेष :- राम की भक्ति दास भाव में करने का वर्णन है।
सवैया छंद है।
भाषा सरल एवं साहित्य की खड़ी बोली है।

BSE

प्रश्न - 23 (3)

संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह में संकलित कहानी 'पहलवान की ढोलक' से लिया गया है इसके लेखक फणीश्वर नाथ रेणु जी है।

प्रसंग :- लेखक ने पहलवान की ढ़ोलक की आवाज कैसे मृत गाँव मे जान भर देती थी यह बताया है।

23 de'Smat

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 23 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

Laser/Inkjet

B S E

व्याख्या :- ~~की~~ लेखक कहते है कि, इस कहानी के नायक लुट्टन द्वारा कैसे मृत गाँव में संजीवनी का कार्य उसकी ढोलक करती है। जब पूरे गाँव मलेरिया एवं हैजा जैसी बीमारी फैली थी तब पूरे गाँव मे सन्नाटा था, रात कर किसी की आवाज तक नही आती थी। पूरा गाँव सहमा हुआ था तब पहलवान की ढोलक पूरे गाँव के लोगो मे एक ऊर्जा उत्पन्न होती थी। जब किसी की आवाज मात्र नहीं आती थी तब पहलवान की ढोलक की आवाज सब जगह गूंजती थी, एवं सभी को जीने की उम्मीद मिलती थी। जब पहलवान खुद यह आवाज सुनता था तो उसके अंदर मानो बिजली दौड़ जाती थी।

विशेष :- खड़ी बोली का प्रयोग है।
भाषा सरल सहज है।